University in News on 25 May 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए आवेदन जून में

छात्राओं को शोध में बढ़ावा देने के तीन वर्ष तक दिए जाते हैं पांच हजार रुपये

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए जून से आवेदन प्रक्रिया शुरू करेगा। इसके लिए विवि ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय को बजट जारी कर दिया गया है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) प्रो. संगीता साहू ने बताया कि विवि में छात्राओं को शोध में आगे बढ़ाने के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति शुरू की गई है। इसके तहत शोधार्थी को तीन वर्ष तक शोध के लिए विवि पांच हजार रुपये प्रतिमाह देता है। यह छात्रवृत्ति प्रति वर्ष दस छात्राओं को दी जाती है। छात्रवृत्ति के छात्राएं विवि की वेबसाइट पर आवेदन कर सकेंगी। आवेदनों का सत्यापन और शोधार्थियों का चयन स्क्रीनिंग कमेटी करेगी। शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए लाभार्थी का लखनऊ विवि में पंजीकृत होना जरूरी है। साथ ही वह कोई दूसरी छात्रवृत्ति का लाभ न ले रही हो। छात्रा का नेट या गेट परीक्षा पास होना भी अनिवार्य है। (संवाद)

AMRIT VICHAR PAGE 4

महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है पर्यावरण रसायन विज्ञान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▶▶ लखनऊ विवि में विशेष व्याख्यान में बोलीं मुरादाबाद की प्रो. अलका

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने नौवें विशेष अतिथि व्याख्यान में हिंदू कॉलेज मुरादाबाद की प्रोफसर अलका रानी ने कहा कि पर्यावरण में होने वाली रासायनिक प्रक्रियाएं मानव गतिविधियों को प्रभावित करती हैं।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण रसायन विज्ञान जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण और निवारण, हरित रसायन विज्ञान, जलवायु परिवर्तन शमन, जल गुणवत्ता प्रबंधन, वायु गुणवत्ता निगरानी, स्थायी कृषि आदि प्रमुख तरीकों का उल्लेख किया। बताया कि पर्यावरण रसायन विज्ञान उन प्रथाओं और प्रौद्योगिकी के विकास का समर्थन करता है, जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम कर संसाधन संरक्षण को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर विभाग की डॉ. मनीषा शुक्ला सहित शोध छात्रों ने भाग लिया।

HINDUSTAN PAGE 6

केमिस्ट्री के छूटे छात्रों का प्रैक्टिकल 10 को

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के बीएससी दूसरे सेमेस्टर के छूटे और एक्सेम्पडेट विद्यार्थियों के पास प्रैक्टिकल देने का एक और मौका है। वह 5 जून तक एलयू के रसायन विज्ञान विभाग में प्रार्थना पत्र दे सकते हैं।

सम्बद्ध कॉलेजों के विद्यार्थियों को प्रार्थना पत्र प्रधानाचार्य से फॉरवर्ड कराना होगा। ऑनलाइन 500 रुपये फीस जमा करनी होगी। प्रैक्टिकल 10 जून को विभाग में होगा। छात्र-छात्राओं को सुबह 9:30 बजे रिपोर्ट करना होगा। दूसरे सेमेस्टर का प्रवेश पत्र, फीस रसीद, आईडी कार्ड लाना होगा।

JAGRAN CITY PAGE I

छूटे विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा 10 जून को

लखनऊ : लवि परिसर एवं कालेजों के बी.एससी केमिस्ट्री दूसरे सेमेस्टर के छूटे विद्यार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा 10 जून को सुबह 10 बजे से आयोजित की जाएगी। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि ऐसे विद्यार्थियों को पांच जून तक रसायन विज्ञान विभाग के कार्यालय में आवेदन पत्र देना होगा। कालेजों के विद्यार्थियों को आवेदन फार्म प्राचार्य से अग्रसारित कराकर लाना है। एग्जेम्प्टेड और कालेज के ऐसे विद्यार्थियों को 500 रुपये लवि के आनलाइन फीस पोर्टल पर जमा करना होगा। (जासं)

PIONEER PAGE 4

बीएससी दूसरे सेमेस्टर के छूटे छात्र परीक्षा को लेकर 5 जून तक दे सकते हैं आवेदन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीएससी दूसरे सेमेस्टर के छूटे और एग्जाम्टेड छात्रों को प्रैक्टिकल देने का एक और मौका लखनऊ विश्वविद्यालय ने दिया है। ऐसे छात्र विवि परिसर स्थित रसायन विज्ञान विभाग में 5 जून तक आवेदन पत्र दे सकते हैं।

एलयू में बीएससी दूसरे सेमेस्टर में कई विद्यार्थियों का केमिस्ट्री का प्रैक्टिकल छूट गया था। लिहाजा एलयू ने ऐसे विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल देने का एक और मौका दिया है। एलयू व संबद्ध कॉलेजों के छात्रों को केमिस्ट्री का प्रैक्टिकल देने के लिए पांच जून तक अगला रसायन विज्ञान विभाग में प्रार्थना पत्र देना होगा। सम्बद्ध कॉलेजो विद्यार्थियों को प्रार्थना पत्र प्रधानाचार्य से फॉरवर्ड कराना होगा। 500 रुपये फीस ऑनलाइन जमा करनी होगी। प्रैक्टिकल 10 जून को विभाग में ही होगा। छात्र-छात्राओं को सुबह 9:30 बजे रसायन विज्ञान विभाग में रिपोर्ट करना होगा। दूसरे सेमेस्टर का प्रवेश पत्र फीस रसीद और आईडी कार्ड साथ में ले जाना होगा।

पर्यावरण में रासायनिक प्रक्रियाओं के बारे में छात्रों को मिली जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता प्राप्त करने के अपने निरंतर प्रयास में, लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की तरफ से शुक्रवार को नौवें विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। यह व्याख्यान हिंदू कॉलेज, मुरादाबाद से प्रोफेसर अलका रानी द्वारा दिया गया था। प्रारंभ में, रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रोफेसर अनिल मिश्र ने अतिथियों का स्वागत किया और पर्यावरण में होने वाली रासायनिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करके पर्यावरण रसायन विज्ञान के महत्व पर जोर दिया और बताया कि मानव गतिविधियाँ इन प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित करती हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि अनुसंधान और अनुप्रयोगों के दायरे का विस्तार जारी रखते हुए, पर्यावरण रसायन विज्ञान ग्रह के लिए एक स्थायी और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के प्रयासों में सबसे आगे बना हुआ है। प्रोफेसर अलका रानी का परिचय प्रोफेसर वी.के. शर्मा द्वारा कराया गया। डॉ. नीरज कुमार मिश्र द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

पर्यावरण रसायन विज्ञान और टिकाऊ जीवन में इसकी भूमिका विषय पर अपने व्याख्यान में प्रोफेसर अलका रानी ने पर्यावरण में होने वाली रासायनिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करके और मानव गतिविधियां इन प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित करती हैं, इसका अध्ययन करके पर्यावरण रसायन विज्ञान टिकाऊ जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह क्षेत्र हवा, पानी और मिट्टी सहित प्राकृतिक सेटिंग्स में रासायनिक पदार्थों की संरचना और व्यवहार को समझने पर केंद्रित है। उन्होंने कुछ प्रमुख तरीकों का उल्लेख किया जिनसे पर्यावरणीय रसायन विज्ञान स्थिरता में योगदान देता है जैसे प्रदूषण नियंत्रण और निवारण, हरित रसायन विज्ञान, जलवायु परिवर्तन शमन, जल गुणवत्ता प्रबंधन, वायु गुणवत्ता निगरानी, स्थायी कृषि आदि। इन पहलुओं को एकीकृत करके, पर्यावरण रसायन विज्ञान उन प्रथाओं और प्रौद्योगिकियों के विकास का समर्थन करता है जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना, संसाधन संरक्षण को बढ़ावा देना और जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाना, एक स्थायी भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना।

AMRIT VICHAR PAGE 4

10 जून को आयोजित होगी प्रयोगात्मक परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों में रसायन विज्ञान के द्वितीय सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाओं के आयोजन होंगे। छात्रों की रसायन विज्ञान परीक्षा 10 जून को प्रात: 10 :00 बजे से आयोजित होगी। इसको लेकर 5 जून तक लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग कार्यालय में एक आवेदन जमा करना होगा।

लविवि: परीक्षा में शामिल हुए 77 हजार से अधिक छात्र

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में आयोजित परीक्षाओं के दौरान 77247 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। पहली पाली में 25473 छात्र सम्मिलित हुए। दूसरी पाली में 21472 छात्र उपस्थित रहे। वहीं अंतिम पाली में छात्रों की संख्या 30302 रही। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया है कि लविवि और उससे संबद्ध पांच जनपदों में तीन पालियों में परीक्षा के आयोजन हुए हैं। इसमें कुल 683 परीक्षार्थी अनुपस्थित हुए हैं। कुल परीक्षाओं में किसी भी केन्द्र पर छात्र अनुचित सामग्री के साथ नहीं मिले हैं। सीसीटीवी के माध्यम से भी परीक्षा कक्षों की निगरानी की गई है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

बौद्ध धर्म और सूफीवाद का बताया महत्व

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। मनोविज्ञान के छात्रों के लिए सात दिवसीय यूजीसी नेट कार्यशाला की निरंतरता में शुक्रवार को आयोजित दूसरे दिन के प्रथम सत्र की वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय की मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ.अर्चना शुक्ला थीं। बौद्ध धर्म और सूफीवाद विषय पर आयोजित सत्र में डॉ.अर्चना शुक्ला ने बौद्ध धर्म और सूफीवाद के अभ्यास के सिद्धांतों और महत्व के बारे में चर्चा की। उन्होंने सत्र की शुरुआत सूफीवाद की उत्पत्ति से की और सूफी प्रथा के चार चरणों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सूफीवाद किस

प्रकार मानव विकास को विकासवादी परिप्रेक्ष्य में देखता है। इसके अलावा, उन्होंने मन और शरीर की शुद्धता और दिव्य आत्मा बनने के तरीके के बारे में भी बात की। उन्होंने छात्रों को आसक्ति,अनासक्ति,पंचकोश और पुनर्जन्म की अवधारणा के बारे में भी बताया। सत्र के दौरान, उनके द्वारा कुछ प्रश्नों का समाधान किया गया। दूसरे सत्र की वक्ता क्राइस्ट यूनिवर्सिटी (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के मनोविज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर और समन्वयक डॉ.रिधिमा शुक्ला थीं। उनका व्याख्यान फैक्टर एनालिसिस पर था,जिसमें उन्होंने छात्रों को गहन जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फैक्टर एनालिसिस एक सांख्यिकीय पद्धति है जिसका उपयोग साइकोमेट्रिक टूल निर्माण में किया जाता है। इसका उपयोग डेटा रिडक्शन,अव्यक्त चर की पहचान करने और चर के बारे में परिकल्पनाओं का परीक्षण करने जैसे उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। उनके सत्रों के बाद वक्ताओं का आभार व्यक्त किया गया और उन्हें प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

पर्यावरण को लेकर विभिन्न पहलुओं पर मंथन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता प्राप्त करने के अपने निरंतर प्रयास में

लविवि में नौवें विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन

लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को नौवें विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। उक्त व्याख्यान हिंदू कॉलेज, मुरादाबाद से प्रो.अलका रानी ने ऑनलाइन दिया। व्याख्यान के प्रारंभ में रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो.अनिल मिश्र ने

अतिथियों का स्वागत किया और पर्यावरण में होने वाली रसायनिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करके पर्यावरण रसायन विज्ञान के महत्व पर जोर दिया। साथ ही बताया कि मानव गतिविधियां इन प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित करती हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि अनुसंधान और अनुप्रयोगों के दायरे का विस्तार जारी रखते हुए पर्यावरण रसायन विज्ञान ग्रह के लिए एक स्थायी और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के प्रयासों में सबसे आगे बना हुआ है। प्रो.अलका रानी का परिचय प्रो.वीके शर्मा द्वारा कराया गया। कार्यक्रम में डॉ.नीरज कुमार मिश्र द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। पर्यावरण रसायन विज्ञान और टिकाऊ जीवन में इसकी भूमिका विषय पर अपने व्याख्यान में प्रो.अलका रानी ने पर्यावरण में होने वाली रासायनिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करके और मानव गतिविधियां इन प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित करती हैं, इसका अध्ययन करके पर्यावरण रसायन विज्ञान टिकाऊ जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह क्षेत्र हवा, पानी और मिट्टी सहित प्राकृतिक सेटिंग्स में रासायनिक पदार्थों की संरचना और व्यवहार को समझने पर केंद्रित है। उन्होंने कुछ प्रमुख तरीकों का उल्लेख किया जिनसे पर्यावरणीय रसायन विज्ञान स्थिरता में योगदान देता है। जैसे प्रदूषण नियंत्रण और निवारण, हरित रसायन विज्ञान, जलवायु परिवर्तन शमन, जल गुणवत्ता प्रबंधन, वायु गुणवत्ता निगरानी, स्थायी कृषि आदि। इन पहलुओं को एकीकृत करके, पर्यावरण रसायन विज्ञान उन प्रथाओं और प्रौद्योगिकियों के विकास का समर्थन करता है जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना, संसाधन संरक्षण को बढ़ावा देना और जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाना, एक स्थायी भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना। कार्यक्रम में डॉ.मनीषा शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक और शोध छात्रों ने भाग लिया।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

बौद्ध धर्म और सूफीवाद के सिद्धांतों के बारे में की चर्चा

लविवि के मनोविज्ञान विभाग में कार्यशाला का दूसरा दिन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान के छात्रों के लिए सात दिवसीय यूजीसी नेट कार्यशाला के दूसरे दिन की निरंतरता में शुक्रवार को आयोजित दूसरे दिन के प्रथम सत्र की वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय की मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अर्चना शुक्ला थीं। उनके सत्र का विषय बौद्ध धर्म और सूफीवाद था, जिसमें उन्होंने बौद्ध धर्म और सूफीवाद के अभ्यास के सिद्धांतों और महत्व के बारे में चर्चा की। उन्होंने सत्र की शुरूआत सूफीवाद की उत्पत्ति से की और सूफी प्रथा के चार चरणों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि सूफीवाद किस प्रकार मानव विकास को विकासवादी परिप्रेक्ष्य में देखता है। इसके अलावा, उन्होंने मन और शरीर की शुद्धता और दिव्य आत्मा बनने के तरीके के बारे में भी बात की। उन्होंने छात्रों को असक्ति, अनासक्ति, पंचकोश और पुनर्जन्म की अवधारणा के बारे में भी बताया। सत्र के दौरान, उनके द्वारा कुछ प्रश्नों का समाधान किया गया।

कार्यशाला के दूसरे दिन दूसरे सत्र की वक्ता क्राइस्ट यूनिवर्सिटी (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के मनोविज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर और समन्वयक डॉ. रिधिमा शुक्ला थीं। उनका व्याख्यान फैक्टर एनालिसिस पर था, जिसमें उन्होंने छात्रों को गहन जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फैक्टर एनालिसिस एक सांख्यिकीय पद्धति है जिसका उपयोग साइकोमेट्रिक टूल निर्माण में किया जाता है। इसका उपयोग डेटा रिडक्शन, अव्यक्त चर की पहचान करने और चर के बारे में परिकल्पनाओं का परीक्षण करने जैसे उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। उनके सत्रों के बाद वक्ताओं का आभार व्यक्त किया गया और उन्हें प्रशंसा पत्र दिया गया।

LOKSATYA PAGE 2

पर्यावरण रसायन विज्ञान के महत्व पर जोर

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता प्राप्त करने के अपने निरंतर प्रयास में, रसायन विज्ञान विभाग ने 24 मई, 2024 को नौवें विशेष अतिथि व्याख्यान हुआ। यह व्याख्यान हिंदू कॉलेज, मुरादाबाद से प्रो अलका रानी ने दिया। रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो अनिल मिश्र ने अतिथियों का स्वागत किया। पर्यावरण में होने वाली रासायनिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करके पर्यावरण रसायन विज्ञान के महत्व पर जोर दिया और बताया कि मानव गतिविधियाँ इन प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित करती हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि अनुसंधान और अनुप्रयोगों के दायरे का विस्तार जारी रखते हुए, पर्यावरण रसायन विज्ञान ग्रह के लिए एक स्थायी और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के प्रयासों

व्याख्यान

- **पर्यावरण रसायन विज्ञान टिकाऊ जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता**

में सबसे आगे बना हुआ है। प्रोफेसर अलका रानी का परिचय प्रोफेसर वी.के. शर्मा द्वारा कराया गया। डॉ. नीरज कुमार मिश्र द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। पर्यावरण रसायन विज्ञान और टिकाऊ जीवन में इसकी भूमिका विषय पर अपने व्याख्यान में प्रो अलका रानी ने पर्यावरण में होने वाली रासायनिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करके और मानव गतिविधियां इन प्रक्रियाओं को कैसे प्रभावित करती हैं। इसका अध्ययन करके पर्यावरण रसायन विज्ञान टिकाऊ जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह क्षेत्र हवा, पानी और मिट्टी सहित प्राकृतिक सेटिंग्स में रासायनिक पदार्थों की संरचना और व्यवहार को समझने पर केंद्रित है। उन्होंने कुछ प्रमुख तरीकों का उल्लेख किया।

जिनसे पर्यावरणीय रसायन विज्ञान स्थिरता में योगदान देता है। जैसे प्रदूषण नियंत्रण और निवारण, हरित रसायन विज्ञान, जलवायु परिवर्तन शमन, जल गुणवत्ता प्रबंधन, वायु गुणवत्ता निगरानी, स्थायी कृषि आदि। इन पहलुओं को एकीकृत करके, पर्यावरण रसायन विज्ञान उन प्रथाओं और प्रौद्योगिकियों के विकास का समर्थन करता है। जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना, संसाधन संरक्षण को बढ़ावा देना और जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाना। एक स्थायी भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना। डॉ. मनीषा शुक्ला ने आभार जताया। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक और शोध छात्रों ने भाग लिया।

बीएससी केमिस्ट्री के छूटे विद्यार्थियों का प्रैक्टिकल दस को

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के बीएससी दूसरे सेमेस्टर के छूटे और एक्सेम्पडेट विद्यार्थियों के पास प्रैक्टिकल देने का एक और मौका है। वह 5 जून तक एलयू के रसायन विज्ञान विभाग में प्रार्थना पत्र दे सकते हैं। एलयू में बीएससी दूसरे सेमेस्टर में कई विद्यार्थियों का केमिस्ट्री का प्रैक्टिकल छूट गया था। लिहाजा एलयू ने ऐसे विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल देने का एक और मौका दिया है। एलयू व संबद्ध कॉलेजों के छात्रों को केमिस्ट्री का प्रैक्टिकल देने के लिए पांच जून तक रसायन विज्ञान विभाग में प्रार्थना पत्र देना होगा। सम्बद्ध कॉलेजों के विद्यार्थियों को प्रार्थना पत्र प्रधानाचार्य से फॉरवर्ड कराना होगा। 500 रुपये फीस ऑनलाइन जमा करनी होगी। प्रैक्टिकल 10 जून को विभाग में ही होगा। छात्र-छात्राओं को सुबह 9:30 बजे रसायन विज्ञान विभाग में रिपोर्ट करना होगा।